

खरकुटी स्त्री. (तत्.) 1. गदहों का निवास स्थान
2. नाई का निवास या दुकान 3. नाई का
चमोटा जिसपर वह औजार रगड़कर धार तेज
करता है।

खरखशा पुं. (फा.) 1. झगड़ा, विवाद, बखेड़ा,
झंझट 2. आशंका, डर।

खरगेह पुं. (तद्.) कुटिया, तंबू।

खरगोश पुं. (फा.) खरक, खरहा, मुलायम बालों
वाला और लंबे कानों वाला एक छोटा जानवर
जो वन में बिलों में रहता है और पाला भी जाता है।

खरच पुं. (फा.) दे. खर्च मुहा. खरच कर डालना-
समाप्त करना/ मार डालना।

खरचनहार वि. (देश.) खरच करने वाला, व्यय
करने वाला।

खरचना स.क्रि. (फा.) 1. व्यय करना, खर्च करना
2. उठाना, लगाना 3. व्यवहार में लाना,
बरतना।

खरची स्त्री (फा.) दे. खर्ची।

खरतनी स्त्री. (देश.) खरादने का औजार।

खरतर वि. (तत्.) 1. अधिक तीक्ष्ण, बहुत तेज 2.
लेनदेन में खरा, व्यवहार का सच्चा।

खरतल वि. (तत्.) 1. खरा, स्पष्टवादी, शुद्ध
हृदयवाला, शील संकोच न करने वाला 2. साफ,
स्पष्ट 3. प्रचंड, उग्र।

खरतुआ पुं. (देश.) बथुए की तरह का एक
खरपतवार, चमरबथुआ।

खरदंड पुं. (तत्.) पद्म, कमल।

खरदना स.क्रि. (फा.) 1. खराद पर चढ़ाकर किसी
वस्तु को साफ और सुडौल करना 2. काट छाँट
कर सुडौल बनाना।

खरदा पुं. (देश.) अंगूर को लगने वाला एक रोग।

खरदिमाग वि. (फा.) 1. नितांत मूर्ख, उजड़,
नासमझ 2. हठी, घमंडी।

खरदिमागी स्त्री. (फा.) नासमझी, मूर्खता, उजड़पना।

खरदूषण पुं. (तत्.) 1. धतूरा 2. झरबेरी 3. खर
और दूषण नामक राक्षस जो रावण के भाई थे
वि. (तत्.) जिसमें बहुत दोष हो।

खरधार पुं. (तत्.) तेज धार वाला अस्त्र वि. तेज
धार वाला।

खरध्वंसी पुं. (तत्.) 1. दुष्टों का नाश करने वाला
2. रामचन्द्र।

खरपत पुं. (देश.) एक प्रकार का वृक्ष।

खरपा पुं. (देश.) 1. एक तरह की मिरजई,
चौबगला 2. एक तरह की देहाती चप्पल जिसे
केवल स्त्रियाँ पहनती हैं।

खरपात पुं. (देश.) घासपात, घासफूस, खरपतवार।

खरब पुं. (तद्.) 1. सौ अरब 2. संख्या गणना का
बारहवाँ स्थान।

खरबुजा पुं. (फा.) दे. 'खरबूजा'।

खरबूज पुं. (फा.) दे. 'खरबूजा'।

खरबूजा पुं. (फा.) ककड़ी की जाति का एक गोल
और मीठा फल जो गरमी के मौसम में होता है
मुहा. खरबूजे को देखकर खरबूजे का रंग
बदलना- किसी एक व्यक्ति की देखा-देखी या
संग से दूसरे का भी वैसा ही हो जाना।

खरबूजी वि. (फा.) खरबूजे के रंग का।

खरभर पुं. (अनु.) 1. खलबली, हलचल 2. शोर,
हल्ला।

खरभरना अ.क्रि. (देश.) हलचल, मचना, चंचल
होना, व्याकुल होना।

खरमंडल पुं. (तद्.) गोलमाल, विघ्न, गुलगपाड़ा
उदा. संस्था में सुव्यवस्था करने की बात चली
तो खरमंडल मच गया।

खरमस्ता वि. (देश.) 1. दुष्ट 2. शरारती, मतवाला
3. कामुका।

खरमास पुं. (तत्.) धनु और मीन के सूर्य वाला
महीना जिसमें मांगलिक कार्य करना वर्जित है।

खरमुख पुं. (तत्.) 1. एक राक्षस जिसे कैकय देश
के भरत ने मारा था 2. तुरंग मुख 3. किन्नर
वि. गधे की मुखाकृति वाला, बदशक्ल, कुरूप।